

भारतीय ज्ञान परंपरा (Indian Knowledge System)

सेमेस्टर : I

क्रेडिट्स : 2

अंक : 50

अवधि : 30 घंटे

बाह्य परीक्षा : 50 अंक

आन्तरिक परीक्षा : 00 अंक

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

1. भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा, सार्वकालिकता और आयामों से प्रारंभिक परिचय कराना।
2. भारतीय प्राचीन शास्त्रों एवं ग्रंथों का परिचय देना।
3. गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा, व्याकरण, अर्थशास्त्र और योग के क्षेत्रों में भारतीय योगदान एवं प्रासंगिकता को समझाना।
4. सांस्कृतिक चेतना का विकास करना।
5. अंतःविषयक ज्ञान परंपरा के प्रयोग को सीखना।
6. भारतीय वैज्ञानिक एवं दार्शनिक दृष्टिकोण को विकसित करना।
7. समकालीन संदर्भों में प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा की उपयोगिता और अनुप्रयोग को समझाना।

अधिगम परिणाम (Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा और आयामों से परिचित होंगे तथा इसके ऐतिहासिक विकास को समझ पाएंगे।
2. प्राचीन शास्त्रों और ग्रंथों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3. साहित्य, गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा, व्याकरण, अर्थशास्त्र और योग में भारतीय योगदान को समझेंगे।
4. सांस्कृतिक चेतना पर विचार कर सकेंगे।
5. अंतःविषयक ज्ञान परंपरा का प्रयोग करना सीखेंगे।
6. भारतीय वैज्ञानिक एवं दार्शनिक दृष्टिकोण को आत्मसात करेंगे।
7. समकालीन जीवन में भारतीय ज्ञान परंपरा की उपयोगिता को समझेंगे।

इकाई: 1 भारतीय ज्ञान परंपरा: मूल तत्व व दृष्टि

1. भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल तत्व और भारत-भाव का अर्थ
2. संस्कृति मूलक भारतीय परम्परा और सभ्यता मूलक अन्य व्यवस्थाओं में मौलिक अंतर
3. जीव-जगत-जगदीश को देखने की भारतीय दृष्टि और एकात्म भारतीय संस्कृति की व्यापकता
4. भारतीय परम्परा में लोक व शास्त्र: लोक में अभिव्यक्त शास्त्र और शास्त्र में अभिव्यक्त लोक
5. नगरीय, ग्रामीण व आरण्यक समाज जीवन में भारतीय ज्ञान परम्परा की बहुस्तरीय अभिव्यक्तियाँ

इकाई: 2 भारतीय ज्ञान परंपरा की विविध अभिव्यक्तियाँ: विविध संप्रदाय व ग्रन्थ परंपरा

1. निगममूलक परम्परा: षड्दर्शन (सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा व वेदान्त), वेदान्त के विविध मत (द्वैतवाद, अद्वैतवाद, द्वैताद्वैतवाद, विशिष्टाद्वैत, शुद्धाद्वैत, अचिन्यभेदाभेद)
2. निगमागममूलक परम्परा: शैव, शाक्त, वैष्णव, गाणपत्य व आदित्य
3. वैदिकेतर परंपरा: अभौतिकवादी (बौद्ध व जैन), भौतिकवादी (चार्वाक, अजीवक, गोशालक, कम्बलीन आदि)
4. ग्रन्थ परंपरा: वैदिक ग्रंथ (संहिताएँ, ब्राह्मण, आरण्यक व उपनिषद्), वेदांग (शिक्षा, कल्प, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष व व्याकरण), उपवेद (आयुर्वेद, धनुर्वेद, गंधर्ववेद व शिल्पवेद), स्मृति ग्रन्थ, पुराण, उप-पुराण व अति-पुराण, षड्दर्शनों से संबंधित ग्रन्थ परंपरा, प्रमुख आगम साहित्य, जैन आगम, बौद्ध आगम

इकाई: 3 भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रमुख विद्याएँ, कलाएँ व शिल्प: 1

1. 4, 18 और 32 विद्याएँ, 64 कलाएँ, 518 अवांतर कलाएँ, 16 विज्ञान और 64 प्रौद्योगिकी
2. भारतीय परम्परा में खगोल विज्ञान, ज्योतिष, गणित, भौतिकी, धातु विज्ञान, रत्न विज्ञान व रसायन विज्ञान
3. भारतीय परम्परा में आयुर्वेद (शल्य, शालाक्य, कायचिकित्सा, भूतविद्या, कौमारभृत्य, अगदतन्त्र, रसायन और वाजीकरण), पशु-चिकित्सा (हय-आयुर्वेद, गो-आयुर्वेद, हस्त्यायुर्वेद), वृक्ष-आयुर्वेद, जीवविज्ञान

इकाई: 4 भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रमुख विद्याएँ, कलाएँ व शिल्प: 2

1. भारत में गायनशास्त्र, वादनशास्त्र, नृत्यशास्त्र, काव्यशास्त्र व नाट्यशास्त्र की परम्परा; कुछ प्रमुख ग्रंथ: भरतमुनि रचित नाट्यशास्त्र, अभिनवगुप्त रचित अभिनवभारती, आनन्दवर्धन रचित ध्वन्यालोक
2. आन्वीक्षिकी, त्रयी, वार्ता (कृषि, पशुपालन, वाणिज्य व उद्योग), दण्डनीति (अर्थशास्त्र, राजशास्त्र, दंडनीति, नीतिशास्त्र व प्रबन्धन)
3. भारतीय परम्परा में योग-विज्ञान व पर्यावरण चिंतन

अनुशंसित पुस्तकों / स्रोतों की सूची :

Text Book:

1. भारतीय ज्ञान परम्परा - एक सामान्य परिचय, (2025): चंद्र भूषण शर्मा, नीलकमल प्रकाशन, हैदराबाद |

Reference Books:

1. भारतीय ज्ञान परम्परा (संक्षिप्त परिचय)-शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
2. भारतीय ज्ञान परम्परा- विविध सन्दर्भ: डॉ पवन कुमार शर्मा, Meena Book Publications, Delhi
3. भारतीय ज्ञान परम्परा-विविध आयाम : प्रो. सरोज शर्मा, शिप्रा प्रकाशन, दिल्ली
4. Significance of Ancient Indian Sciences in Contemporary Education: Prof. Saroj Sharma, National Book Trust, India
5. भारतीय परम्परा: डॉ. विद्यानिवास मिश्र, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
6. भारतीय ज्ञान परम्परा-एक विमर्श: डॉ. स्वाति गौर, Meena Book Publications, Delhi
7. भारतीय ज्ञान परम्परा-बोध:डॉ. उमेश कुमार सिंह,मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल
